an>

Title: Need for more medical professionals in India.

श्रीमती किरण खेर (चंडीगढ़) :अध्यक्ष महोदया, मैं सदन की अटैंशन एक बहुत सीरियस इश्यू पर ड्रॉ करना चाहती हूँ कि हमारे देश में मैडिकल प्रैक्टीशनर्स की बहुत कमी है, डॉक्टरों की बहुत कमी है, स्पेशली रूरल एरियाज़ में। By Medical Professionals, I do not just mean doctors, we need more nurses, more lab technicians and more para-medical staff to meet the healthcare needs of the country. जो डेटा प्रोवाइड किया गया है, उसमें यह दिखाया गया है कि इंडिया की पापुलेशन में 10000 की आबादी पर सिर्फ 6 डॉक्टर्स हैं। यह नेशनल एवरेज है। रूरल इंडिया में 10000 लोगों पर सिर्फ 3 डॉक्टर्स हैं। यहाँ डॉ. हर्षवर्धन जी भी बैठे हुए हैं। मैं कहना चाहती हूँ कि हमारे यहाँ चंडीगढ़ में जब मैडिकल की 100 सीटें घटाकर 50 कर दी थीं, तो हम सब इनके पास आए थे। इन्होंने बहुत तीव्रता से उन सीटों को बढ़ाकर फिर से 100 किया था। अभी सुना है कि देश में बहुत जगह घटाकर फिर से 50 कर रहे हैं। When we need more doctors and nurses, we have to increase the seats in our Medical Colleges. On very flimsy grounds like there is no place in Gymnasium etc. चार डैस्क क्लासरूम में एक्स्ट्रा लगा दें। It is more important.

Madam, I want to say one more thing. I think for Medical Practitioners, we need to make two years of compulsory service in rural areas. After a doctor passes

out, *pro bono* work which people do all over the world. लोग अफ्रीका तक जाते हैं। हमारे देश में गाँव-खेड़े में, छोटी गलियों में डॉक्टर नहीं मिलते। I think we need to consider this.

माननीय अध्यक्ष :

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा

डॉ. किरीट पी.सोलंकी को श्रीमती किरण खेर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

-